Harvard University
Urdu 102: Intermediate Urdu-Hindi
Spring Semester, 2007

शोले

Part 17

डाकिया गुलज़ारी लाल इमाम साहब के पास आकर उन्हें बताता है कि उन के लिये एक ख़त आया हुआ है।

गुलज़ारी लाल - इमाम साहब सलाम। यह ख़त है आपका।
इमाम - लीजिये। जबलपुर से ही आया होगा। अरे गुलज़ारी लाल। ज़रा पढ़ भी देते?
गुलज़ारी लाल - जी, पढ़े देते हैं। अरे मेरा चश्मा? इसी जेब में तो था।

बसंती चश्मा पहने आती है। वह चश्मा डाकिये का ही है।

बसंती - इधर है। वह जो आप ढूँढ रहे हैं वह हमारे पास है। यह लीजिये।
इमाम - आ गयी बतकन।
बसंती - वह हुआ ऐसा कि हम उधर से आ रहे थे, और आप इधर से जा रहे थे। इधर आप साइकिल पर थे और हम उधर पैदल। आप जो साइकिल पर निकल गये और वहीं के वहीं हमको यह चश्मा मिला। और वहीं के वहीं हमने सोचा यह कि यह चश्मा आप का है। देखनेवाली बात यह है कि यह चश्मा तो आप ही का निकला। यूँकि...
इमाम - अच्छा, अच्छा। ज़रा मुँह को आराम दे तो मैं यह ख़त सुन लूँ। तेरी मिसाल बाद में सुनेंगे।
बसंती - हाँ, हाँ, मैंने कब मना किया?
इमाम - हाँ गुलज़ारी लाल।
गुलज़ारी लाल - जनाब भाई साहब, सलाम अलैकुम।
इमाम - वालैकुम अस्सलाम।
गुलज़ारी लाल - बासलाम आपको ख़बर मिले कि यहाँ सब ख़ैरियत हैं और सब आप की ख़ैरयित अल्लाह ताला से नेक चाहते हैं।

दीगर अहवाल यह है कि अहमद मियाँ की नौकरी पक्की करा दी गयी है। तनख़्वाह दो सौ रुपये हो गयी है। रहने, खाने-पीने के लिये तो ग़रीबख़ाना मौजूद है।

इमाम - अच्छा है। मामू की निगरानी में रहेगा।

बसंती - हाँ, अच्छा है। हम भी यही चाहते हैं।

गुलज़ारी लाल - इस मामले में देर करना मुनासिब नहीं होगा। इसलिये थोड़े को बहुत और ख़त को तार समझें। अहमद मियाँ को जल्द अज़ जल्द रवाना कर दें। बाक़ी ख़ैरियत है। घर में सब सलाम कहते हैं। फ़क़त। आप का ... आप का ...

इमाम - मुकैतुल्लाह।

गुलज़ारी लाल - जी।

इमाम - आने दो अहमद को। अब नहीं सुनूँगा उसकी।

बसंती - यह तो आपने ठीक बात की। लेकिन आने क्या दें? वह तो आया हुआ है। (बसंती अहमद की ओर इशारा करती है जो कि थोड़ी देर पहले बाहर निकला था और चुपचाप खड़ा होकर बात सुन रहा था।)

एहमद देखो अब्बा। मैं जानेवाला नहीं हूँ।

बसंती - यूँकि यह तो वही मिसाल हो गयी है कि ...

इमाम - अरे भई। अजीब बेवकूफ़ है यह लड़का। ऐ मियाँ। मैं तो अब कब्र में पाँव लटकाये बैठा हूँ। तुम्हारे सामने सारी ज़िंदगी है। कब तक मेरे दामन से बंधे बैठे रहोगे? और फिर ऐसी नौकरी रोज़ रोज़ नहीं मिलती है भई।

गुलज़ारी लाल - बच्चू, इमाम साहब ठीक कह रहे हैं।

बसंती - हाँ हाँ, हमने तो यहाँ तक सुना है कि बड़े से बड़े शहर जैसे मुरादाबाद हुआ, मेरठ हुआ वहाँ भी लोग नौकरी के लिये मंदिर तक ... अरे। मंदिर। (बसंती को याद आ जाती है कि वह असल में मंदिर जाने के लिये निकली थी।)

एहमद क्यों? क्या हुआ?

बसंती - वह हुआ ऐसा कि हम निकले थे घर से मंदिर जाने और देखा तो इनका चश्मा मिल गया। इन के चश्मे को पाते ही हम भूल गये कि हमें जाना कहाँ है। लेकिन देखने

वाली बात यह है कि अब हमें याद आ चुका है। (बसंती चलती है।)

****

बसंती वन से होकर मंदिर की ओर जा रही है। वन में वीरू और जय आराम करते हुए दिखाई देते हैं।

जय - ऐ वीरू। तेरी ताँगेवाली। (वीरू बसंती के पास जाता है।)

वीरू - ऐ बसंती। आज पैदल? तुम्हारी धन्नो तो क्या ताँगे के साथ भाग गयी?

बसंती - हमें लगता है तुम्हारी समझ में अभी तक यह बात नहीं आयी है कि हमारे गाँव में किसी के साथ भागने की रीत बिल्कुल नहीं है। हमारी धन्नो इज़्ज़त के साथ घर पर है। लेकिन आज सोमवार है और मौसी कहती है, देख बसंती। जो सोमवार की सुबह शिव जी के मंदिर में माथा टेकेगी तो ऐसा पति मिलेगा तुझे कि दुनिया जलेगी। मैंने कहा हाँ। ऐसा तो ठीक है। नहीं तो मुझे कौनसे किसी उठाईगिरे से ब्याह करना है। अच्छा मैं चलती हूँ। जय राम जी की।

वीरू - हम्म्म्म... जय राम जी की। (जय से) जय राम जी की। (वीरू कुछ सोच कर चला जाता है।)

शब्दावली

डाकिया = postman (m)
ख़त = letter (m)
सलाम = greetings (m)
लीजिये = Well (lit please take)
चश्मा = glasses (m)
ज़ाहिर = clear (adj)
इधर = here (adv)
ढूँढना = to search (vt)
बतकन = talkative (adj)
साइकिल = bicycle (f)
पैदल = by foot (adv)
वहीं के वहीं = right there (adv)
मुँह = face, mouth (m)
आराम देना = to give a rest to (vt)
मिसाल = example (f)
बाद में = later (adv)
मना करना = to refuse (vt)
जनाब = sir (m)

सलाम अलैकुम = peace be upon you.
वालैकुम अस्सलाम = and peace be upon you (said in reponse)
बासलाम = with greetings (adv)
ख़ैरियत = well (f)
नेक चाहना = to want well (vt)
दीगर = other (adj)
अहवाल = state, affair (m. pl.)
पक्का करा देना = to make solid, to arrange (vt)
तनख़्वान = salary (f)
ग़रीबख़ाना = poor house (said in a self-deprecating manner about one's own abode. The opposite is a दौलतख़ाना which means a house of wealth and is said about someone else's house) (m)
मौजूद = present (adj)
मामला = matter, affair (m)
देर करना = to delay (vt)
मुनासिब = appropriate (adj)
थोड़े को बहुत समझना = to consider a little a lot (vt)
तार = telegramme (m)
जल्द अज़ जल्द = quickly (quicker than quick) (adv)
रवाना कर देना = to send (vt)
बाक़ी = rest, remainder (adj)
फ़क़त = the end (m)
मुकैतुल्लाह = नाम
अब नहीं सुनूँगा उसकी (बात)।
इशारा करना = to indicate (vt)
अजीब = strange (adj)
बेवकूफ़ = fool (m)
क़ब्र = grave (f)
पैर लटकाना = to hang the foot (vt)
दामन = edge of a garment (protection) (m)
बच्चू (बच्चे) = child (m)
असल में = in reality (adv)
पाना = to get, obtain (vt)
भूल जाना = to forget (vi)
वन = forest (m)
आराम करना = to relax (vt)
x से होकर = via x (adv)
भाग जाना = to flee (vi)
बिल्कुल = absolutely (adv)
इज़्ज़त के साथ = with respect (adv)
शिव जी = Lord Shiva (m)
माथा टेकना = to prop the forehead (bow) (vt)
जलना = to be jealous (vi)
नहीं तो = otherwise (conj)
गधा = donkey (m)
ब्याह करना = to marry (vt)